शनिवार
02 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4

इन लोगों को भूल से भी न खाने चाहिए बैंगन!

पृष्ठ 5

करीना ने किया अपनी नई फिल्म जाने जान का ऐलान!

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 206
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विवेक जीवन का नमक है और कल्पना उसकी मिठास। एक जीवन को सुरक्षित रखता है और दूसरा उसे मधुर बनाता है।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सीएम धामी ने किया ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का लोगो जारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिसंबर माह में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का लोगो जारी करते हुए कहा कि राज्य में विकास के लिए यह सुनहरा मौका है।

राजपुर रोड स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने राज्य के उद्यमियों और व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वह राज्य के विकास के ब्रांड एंबेसडर है। उन्होंने कहा कि राज्य में अनेक ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें विकास की अपरिमित और असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने राज्य में पहले से काम कर रहे उद्योगपतियों से कहा कि उन्हें उनसे इस काम में बड़ी सहायता और सहयोग की जरूरत है। उन्होंने इन उद्यमियों से कहा कि उनके पास भी अपने उद्योगों के विस्तारीकरण का यह एक अच्छा मौका है।

उन्होंने कहा कि हमें इस समिट से राज्य में कम से कम 2 लाख 50 हजार करोड़ के निवेश आने की संभावना है जिसमें 15 से 20 लाख करोड़ के पुराने

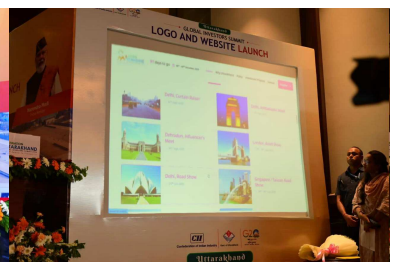

❑2.5 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्यः सीएम

उद्यमियों से मिलने की उम्मीद है। उन्होंने राज्य के उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी हमारे ब्रांड एंबेसडर है साथ ही उन्होंने उद्यमियों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी सभी समस्याओं के समाधान के लिए दृढ़ संकल्प के साथ उनके सहयोग को तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार निवेश को सुरक्षा देने में किसी भी तरह की कमी नहीं रखेगी।

उल्लेखनीय है कि दिसंबर माह में आयोजित होने वाली समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की भी उम्मीद है तथा इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सरकार द्वारा देश-विदेश में आठ बड़े रोड शो किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। समिट के जरिए 2 लाख 50 हजार करोड़ का निवेश जुटाने का लक्ष्य रखा गया है इस समिट में देश के कई नामी उद्योगपतियों के आने से बड़ा निवेश करने की संभावनाएं जताई जा रही है राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में भले ही बड़े उद्योग न लगाये जा सके लेकिन पर्यटन तथा फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अच्छे अवसर मौजूद हैं। इसके साथ ही इस बात की संभावना जताई जा रही है कि अगर इससे राज्य को अच्छा निवेश मिलता है तो राज्य के युवाओं के लिए भी रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

पुलिसकर्मियों पर वाहन चढ़ाने का प्रयास करने वाला लीसा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। चैंकिग के दौरान बैरियर तोड़कर पुलिसकर्मियों पर वाहन चढ़ाने का प्रयास कर फरार हुए एक शातिर लीसा तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के दो अन्य साथी फरार है जिनकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती 29 अगस्त की रात को जब थाना पुलभट्टा के पुलिसकर्मी थाने के बैरियर पर चैकिंग कर रहे थे तो इस दौरान एक इन्डीवर कार व बैगनआर कार को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख दोनो कार के चालक बैरियर तोड़कर व पुलिस कर्मियों पर वाहन चढ़ाने का प्रयास कर भाग निकले। जिसके बाद इन्डीवर कार द्वारा बहेडी बार्डर पर बने टोल प्लाजा मे रांग साईड से उनके बैरियरो को उडाते हुए बहेडी की ओर भाग निकली। जबकि इस दौरान थाना पुलभट्टा द्वारा वैगरनार कार कार को एक ढाबे के पास से बरामद कर लिया गया। जिसमें लीसा के 24 कनस्तर बरामद हुए। हालांकि इस दौरान कार सवार दो व्यक्ति भागने में कामयाब रहे।

पुलिस ने मामले में जब वैगरनार कार के स्वामी का पता किया तो जानकारी हुई कि पकडी गयी कार रवि भट्ट पुत्र हरीश चन्द्र भट्ट निवासी भट्ट बेकरी आर. के. टेन्ट हाउस रोड कुसुमखेडा मुखानी के नाम पंजीकृत है। जिस पर पुलिस द्वारा रवि भट्ट के घर पर दबिश दी गयी तो वह घर पर नहीं मिला। हालांकि पुलिस को इस दौरान जानकारी मिली कि फरार चल रहा रवि भट्ट मचखाली रानी खेत व उसके आस पास के स्थानो पर वन विभाग से चीड के जंगलो को लीसे के दोहन के लिए ठेके पर लेता है तथा वह ला का छात्र है। पुलिस को यह भी जानकारी

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

स्कूल बस में 6 साल की बच्ची के साथ यौन शोषण

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के एक निजी स्कूल में पढ़ने वाली बच्ची से यौन उत्पीड़न का सनसनीखेज मामला सामने आया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस घटना का आरोपी ने एक निजी स्कूल की बस में इस घटना को अंजाम दिया है। हद तो तब हो गई कि 6 साल की बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न का खुलासा होने के बाद स्कूल के चेयरमैन, प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल ने कोई पहल नहीं की। उल्टे पीड़ित बच्ची के माता-पिता से शिकायत वापस लेने का दबाव डाला। अब इस मामले में महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर तलब किया है। दिल्ली महिला आयोग की ओर से जारी बयान के मुताबिक पीड़ित 6 साल की बच्ची दिल्ली के बेगमपुर इलाके के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ती है। लड़की की मां ने बताया कि 23 अगस्त को जब उनकी बेटी की स्कूल बस ने सोसायटी के गेट पर छोड़ा, तो उन्होंने देखा कि उनकी बेटी का बैग पेशाब के कारण गीला हो गया था। पूछताछ करने पर बच्ची ने बताया कि सीनियर क्लास में पढ़ने वाला एक छात्र स्कूल बस में बच्ची से छेड़छाड़ कर रहा था।

इसरो ने आदित्य-एल 1 सफलतापूर्वक लॉन्च किया

श्रीहरिकोटा। देश के पहले सूर्य मिशन के तहत आदित्य-एल1 यान का शनिवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपण हुआ।

आदित्य-एल1 को सूर्य परिमंडल के दूरस्थ अवलोकन और पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर श्एल1श (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा का वास्तविक अवलोकन करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष यान होगा। इसे शनिवार पूर्वाह्न 11:50 बजे इसरो के भरोसेमंद पोलर सैटेलाइट लॉन्च

व्हीकल (पीएसएलवी) के जरिये श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से सफल प्रक्षेपण किया गया। आदित्य-एल1 के 125 दिनों में लगभग 15 लाख किलोमीटर की दूरी तय कर लैग्रेंजियन बिंदु एल1 के आसपास हेलो कक्षा में स्थापित होने की उम्मीद है, जिसे सूर्य के सबसे करीब माना जाता है।

इस मिशन का मुख्य उद्देश्य सौर वातावरण में गतिशीलता, सूर्य के परिमंडल की गर्मी, सूर्य की सतह पर सौर भूकंप या कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई), सूर्य के धधकने संबंधी गतिविधियों और उनकी विशेषताओं तथा पृथ्वी के करीब अंतरिक्ष में मौसम संबंध ी समस्याओं को समझना है। श्आदित्य-एल1 सात पेलोड ले जाएगा, जिनमें से चार सूर्य के प्रकाश का निरीक्षण करेंगे।

इसरो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग में मिली कामयाबी के बाद इस मिशन को अंजाम दे रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

आंदोलनकारियो को आरक्षण

उत्तराखंड की धामी सरकार द्वारा आंदोलनकारियों को 10 फीसदी आरक्षण के प्रस्ताव को मंजूरी जरूर दे दी गई है और यह उम्मीद भी की जा सकती है कि उनका यह प्रयास सफल भी हो जाए लेकिन 2004 यानी राज्य गठन के बाद से जिस मुद्दे को लेकर राजनीति हावी है उसकी मंजिल तक पहुंचना बहुत आसान नहीं है भले ही वर्तमान में पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार हो या फिर विपक्ष जो कभी इसके विरोध में नहीं रहा उसका भी समर्थन इस मुद्दे पर सरकार के साथ रहा हो। 2004 में सबसे पहले यह आरक्षण व्यवस्था एनडी तिवारी ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में लागू की थी तब 7 दिन या इससे अधिक समय जेल में रहने वाले आंदोलनकारी या घायल हुए लोगों तथा उनके आश्रितों को समूह ग के पदों पर सीधी भर्ती का प्रावधान किया गया था लेकिन 26 अगस्त 2013 में हाई कोर्ट द्वारा इस पर रोक लगा दी गई। 2018 में आरक्षण से संबंधित जीओ और नोटिफिकेशन को भी खारिज कर दिया गया था। 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत सरकार द्वारा एक बार फिर इस विधेयक को पारित कराकर राज भवन की मंजूरी के लिए भेजा गया जिसे अब तक लंबित रखा हुआ था अब एक बार फिर धामी सरकार ने इसे राजभवन से वापस मंगा कर मामूली संशोधन के साथ कैबिनेट में मंजूरी दे दी गई है। सरकार का कहना है कि वह इस मानसून सत्र जो 5 सितंबर से शुरू हो रहा है, में पेश किया जाएगा। विधानसभा से इस विध यक को पारित होने तक इसमें कहीं कोई अड़चन नहीं है लेकिन इससे आगे की प्रक्रिया में वह तमाम कारण अभी भी मौजूद है जिनकी वजह से यह 2004 से लेकर अभी तक अधर में लटका हुआ है। यह सबसे अधिक हास्यास्पद बात है कि राज्य गठन के 20 साल बाद भी आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण का काम पूरा नहीं हो सका है। इसकी मुख्य वजह यह रही है कि अधिकांश आंदोलनकारियों के अपने पास इसके साक्ष्य का अभाव रहा है वहीं राज्य गठन के बाद खुद को आंदोलनकारी सिद्ध करने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। सरकारों के सामने यह संकट रहा है कि स्पष्ट मानक तय न होने के कारण नाखून कटा कर शाहिदों की सूची में नाम लिखवाने वाले लोगों ने इसे और भी अधिक जटिल बना दिया गया। हालात ऐसे पैदा हो गये कि पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद डा. रमेश पोखरियाल निशंक जैसे लोगों के नाम राज्य आंदोलनकारियों की सूची में शामिल कर लिए गए जिनकी इस आंदोलन में रत्ती भर भी सहभागिता नहीं रही है जब इसे लेकर लोगों ने आपत्ति जाहिर की तो डा. निशंक को इस सूची से अपना नाम कटवाने पर बाध्य होना पड़ा। आज भी कई ऐसे आंदोलनकारी है जो आंदोलन में सक्रिय रहे मगर उनके नाम उसे सूची में शामिल नहीं है। अब देखना यह है कि अगर इन राज्य आंदोलनकारियों को 10 फीसदी आरक्षण का कानून धामी सरकार द्वारा लाया जाता है तो उसके लिए क्या मापदंड तय किए जाते हैं। सरकार ने यह तो साफ कर दिया है कि इसका लाभ 2004 से लागू किया जाएगा राज्य में आंदोलनकारी की सूची इतनी लंबी हो चुकी है कि इसमें 12 हजार लोगों के नाम दर्ज है अब इनमें से सरकारी नौकरी के पात्र कितने लोग होते हैं यह समय बताएगा।

मोबाइल लूटकर भाग रहे दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। मोबाइल लूट कर भाग रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सप्त सरोवर रोड भूपतवाला हरिद्वार निवासी अमित सिंह ने रायवाला थाना पुलिस को सूचना दी कि वह सप्तऋषि घाट हरिपुर कलां की तरफ जा रहा था तभी मोटरसाईकिल सवार दो युवक वहां पर आये और उसके हाथ से उसका मोबाइल फोन लूटकर भाग गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया। जिसके कुछ देर बाद ही पुलिस ने मोबाईल लूटकर भाग रहे दो युवकों को लूटे गये मोबाइल के साथ पकड लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम संदीप मिश्रा पुत्र तोताराम व प्रथम अरोडा पुत्र विशाल अरोडा दोनो निवासी प्रेमविहार चौक हरिपुर कलां बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

त्यमु व: सत्रासाहं विश्वासु गीर्ष्वायतम।
आ च्यावयस्यूतये।।
(ऋग्वेद ८-९२-७)
युध्मं सन्तमनर्वाणं सोमपामनपच्युतम।
नरमवार्यक्रतुम्।।
(ऋग्वेद ८-९२-८)

हे प्रजाजनों ! अपना शासक उसको बनाओ जो तुम्हारी रक्षा, संरक्षण, और उन्नति कर सकें। जो शत्रु को पराजित कर दे और पीछे ना हटे। जो प्रजा को हर प्रकार की हिंसा से बचाए। जो एक बार निश्चय कर ले और उससे किसी भी दबाव में आकर पीछे ना हटे।

'मेरी माटी मेरा देश' अमृत कलश यात्रा का शुभारंभ

संवाददाता

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के अन्तर्गत अमृत कलश यात्रा का शुभारम्भ किया।

आज यहां केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा का शुभारंभ किया।" केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, विदेश राज्यमंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी और सचिव, संस्कृति मंत्रालय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अमित शाह ने कहा कि आज का ये कार्यक्रम एक प्रकार से संध्या की भांति है क्योंकि ये उस वक्त हो रहा है जब आजादी के 75 वर्ष पूरे हो चुके हैं और आने वाला अमृतकाल और संकल्प की सिद्धि का कालखंड 15 अगस्त, 2047 को भारत को विश्व में हर क्षेत्र में प्रथम स्थान पर पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि ये देश के स्वतंत्रता सेनानियों की कल्पना के भारत की रचना के 25 वर्ष हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 75 वर्षों में देश ने बहुत सारी उपलब्धि यां हासिल की हैं, लेकिन ये काफी नहीं हैं। शाह ने कहा कि हमें गुलामी के लंबे कालखंड और लाखों लोगों के बलिदान के बाद प्राप्त हुई स्वतंत्रता, उसके बाद 75 वर्षों के पुरूषार्थ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में भारत के हर व्यक्ति को महान भारत की रचना के साथ जोड़ने के हमारा पुरूषार्थ एक महान भारत की रचना के साथ सफल होगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम अपने नाम से ही बहुत कुछ व्यक्त कर देता है। उन्होंने कहा कि आज हम स्वतंत्र भारत में जी रहे हैं, इसके लिए लाखों लोगों ने बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि 1857 से 1947 तक, 90 सालों तक, एक लंबा स्वतंत्रता संग्राम लड़ा गया और अनगिनत जाने-अनजाने लोगों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। शाह ने कहा कि इस कार्यक्रम की कल्पना इस उद्देश्य के साथ की गई है कि इसके माध्यम से महान भारत की रचना में हर व्यक्ति, परिवार, नागरिक और बच्चा अपने आप को और अपनी भावना को जोड़ सके। उन्होंने कहा कि1 से 30 सितंबर तक हर घर, वार्ड और गांव, 1 से 13 अक्टूबर तक ब्लॉक और 22 से 27 अक्टूबर तक राज्य स्तर कलशों में मिट्टी या धान इकट्ठा किये जायेंगे, फिर 28 से 30 अक्टूबर को ऐसे 7500 कलश देश की राजधानी पहुंचेंगे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली में शहीद स्मारक के पास देश के वीरों के सम्मान में बनाई गई अमृत वाटिका में इन कलशों की मिट्टी और धान को रोपित करेंगे, जो देश के हर नागरिक को ये याद दिलाएगा कि हमें अमृतकाल में भारत को महान बनाना है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कार्यक्रम में कई कार्यक्रमों को संजोकर देश के हर व्यक्ति को इसका हिस्सा बनने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि देश के हर गांव में शिला फलक लग चुका है, देश के करोड़ों नागरिक पंच प्रण की प्रतिज्ञा ले चुके हैं जो भारत को महान बनाने का रास्ता प्रशस्त करेगी, वसुधा का वंदन कार्यक्रम के माध्यम से अमृत महोत्सव की स्मृति में 75 वृक्षों का वृक्षारोपण करने, वीरों का वंदन कर और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर अपने आप को देश के प्रति फिर से समर्पित करने के इन 5 कार्यक्रमों को जोड़कर ये श्रृंखला बनाई गई है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मेरी माटी- मेरा देश मात्र एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि ये अपने आपको देश के भविष्य के साथ जोड़ने का एक माध्यम है।

आदित्य एल-1 की लॉन्चिग पर की पूजा अर्चना

संवाददाता

देहरादून। आदित्य एल-1 की लॉन्चिग पर माता वैष्णो देवी गुफा योग मन्दिर टपकेश्वर महादेव मन्दिर में विशेष पूजा अर्चना की गयी।

आज यहां आदित्य एल 1 की लॉन्चिंग पर माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव गढ़ी कैंट देहरादून में हनुमान जी महाराज की विशेष पूजा अर्चना की गई भारत माता की जय, बंदे मातरम के जयघोषों के साथ मंदिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में मिशन की सफलता की कामना की गई, साथ ही भारत और पाकिस्तान क्रिकेट मैच की विजय के लिए भी विशेष प्रार्थना की गई। इस अवसर पर सुधा विजय, आजीव विजय, योग शिक्षक विनय कुमार, वैभव जोशी, गणेश बिजलवान, अरविंद बडोनी सहित काफी भक्त उपस्थित रहे।

हिन्दु सुरक्षा समिति व श्री हिन्दु तख्त को मिला उच्च पदों पर विराजमान साधु संतों का आशीर्वाद

कार्यालय संवाददाता

पटियाला। अखिल भारतीय हिन्दु सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्री हिन्दु तख्त के संरक्षक राजेश केहर ने प्रेस के नाम जारी बयान मे बताया की समिति व तख्त ने हरिद्वार के उच्च पदो पर विराजमान संतो ने हिन्दु सुरक्षा समिति मे शामिल हो सनातनीयों को मार्ग दर्शन देने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया की उनके हरिद्वार, ऋषिकेश, उत्तराखंड दौरे के दौरान उच्च पदो पर विराजमान साधु व संत समाज ने समिति मे शामिल हो सनातनीयों के मार्ग दर्शन हेतु हामी भरी है, जिसके तहत आचार्य महामंडलेश्वर राज गुरु स्वामी विशोका नंद भारती जी महाराज श्री यंत्र आश्रम हरिद्वार ने धर्म गुरु समिति व तख्त 'महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी' जी संचालक श्री तुलसी मानस आश्रम हरिद्वार ने राष्ट्रीय महामंत्री महंत देवानंद सरस्वती जी महाराज अध्यक्ष प्रभु हरि नाथ मंदिर धर्मार्थ ट्रस्ट पूर्व सचिव जूना अखाडा हरिद्वार ने समिति की प्रचार समिति का राष्ट्रीय अध्यक्ष समिति व तख्त के उक्त पदो पर विराजमान होकर सनातनीयों का मार्ग दर्शन करने के निर्णय को स्वीकार किया है।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष राजेश केहर ने बताया की हरिद्वार, उत्तराखंड दौरे के दौरान विशेष तोर पर जन सेवा मे समर्पित डाक्टर एम। आर। शर्मा जी श्री गुरु कृपा ओषधालय जो सिर्फ नब्ज देख कर सारे शरीर को स्केन करके बीमारी पकड़ कर बहुत ही सस्ते में इलाज कर देते हैं को संम्मान चिन्ह व सिरोपा देकर संम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने बताया की जल्द ही संत समाज के सहयोग से पूरे भारत वर्ष मे समिति व तख्त को सक्रिय करके देश धर्म गौमाता व सनातन धर्म के प्रति कार्यो मे तेजी लाई जाएगी।

उन्होंने बताया की जल्द ही ओर डेरा व मंदिरो के उच्च पदो पर कार्य कर रहे साधु संतो से विचार विमर्श करके उन्हे समिति व तख्त के अहम पदो पर आसीन किया जायेगा।

इस अवसर पर समिति नेता दीपक वालिया कानूनी सलाहकार, विजय चौहान बोबा, उप प्रमुख पंजाब,पवन आहूजा पटियाला जिला प्रमुख,वीरू कुमार पटियाला 2 प्रमुख, आदि मोजूद रहे।

जानिए किस उम्र में घुटनों के बल चलना शुरु करते हैं बच्चे

शिशु के जन्म के बाद उसके पहली बार बोलने और पहले कदम का इंतजार रहता है। हालांकि, चलने से पहले शिशु अपने घुटनों पर चलना शुरू कर देता है। कुछ बच्चे जल्दी घुटनों पर चलना शुरू कर देते हैं। अगर आपका बच्चा भी छोटा है और उसने अभी तक घुटनों पर चलना शुरू नहीं किया, तो जान लीजिए कि बच्चे किस उम्र में घुटनों पर चलना शुरू करते हैं?

किस उम्र में घुटनों पर चलते हैं बच्चे

कई बच्चे 7 महीने से 10 महीने तक के बीच में घुटनों के बल चलना शुरू कर देते हैं, लेकिन हर बच्चा अलग होता है और हो सकता है कि आपका बच्चा दूसरे बच्चों की तुलना में जल्दी या देरी से चलना शुरू करे। वहीं, कुछ बच्चे घुटनों के बल चलने की बजाय सीधा चलना शुरू करते हैं।

इस बात का ध्यान रखें कि हर बच्चे का विकास अलग तरह से होता है। उसकी तुलना दूसरे बच्चों से न करें।

चलने से पहले मिलते हैं ये संकेत

घुटनों के बल चलना शुरू करने से पहले बच्चों को कुछ स्किल्स विकसित करने की जरूरत होती है। ये स्किल्स बच्चे की मांसपेशियों को मजबूत कर उसे चलने में मदद करते हैं। अगर आपको निम्न संकेत मिल रहे हैं तो हो सकता है कि जल्द ही आपका बच्चा घुटनों पर चलना शुरू कर दे :

1.लेटने पर लगातार मूव करना।

2.पेट के बल लेटने पर गर्दन को इधर उधर घुमाना

3.पीठ के लेटने पर पैरों को पकड़ना।

4.लेटने पर करवट बदलते रहना।

बच्चे की कैसे करें मदद

अगर आपके बच्चे ने अपनी उम्र के बाकी बच्चों की तरह घुटनों के बल चलना शुरू नहीं किया है, तो ऐसे कई तरीके हैं जिनकी मदद आप घुटनों के बल चलने में उसकी मदद कर सकते हैं।

*टमी टाइम बढाएं : बच्चों को उनके पेट के बल लिटाएं। इससे बच्चों को कंधों, बांह और शरीर के ऊपरी हिस्से को मजबूत करने में मदद मिलती है। इन्हीं मांसपेशियों से बच्चे को क्रॉल करने में मदद मिलती है।

*सुरक्षित जगह ढूंढें : घर में कोई ऐसी सुरक्षित जगह ढूंढें, जहां शिशु को क्रॉल करना सिखाया जा सके और उसे किसी चीज से चोट न लगे। कोई भी हानिकारक या नुकीली चीज बच्चे से दूर रखें।

*खिलौने रखें : आप खुद बच्चों को क्रॉल करने की ट्रेनिंग दे सकते हैं। उसके सामने कुछ दूरी पर खिलौने रखें और फिर उसे खिलौने के पास जाने के लिए कहें।

यहां तक कि रिसर्च का भी कहना है कि जो बच्चे 11 महीने की उम्र तक चीजों को देखकर क्रॉल करना शुरू करते हैं, वो अक्सर 13 महीने की उम्र तक चलना शुरू कर देते हैं।

बच्चा क्रॉल करना शुरू न करे तो

हो सकता है कि कुछ बच्चे क्रॉल करने की बजाय सीधा चलना शुरू करें। कुछ बच्चे आसपास की चीजों के सहारे खड़े होकर चलना शुरू कर देते हैं और आपको पता भी नहीं चल पाता है कि कब उसने घुटने के बल चलने की बजाय सीधा वॉक करनी शुरू कर दी है।(आरएनएस)

स्टाइलिश आउटफिट के साथ पहने ये ट्रेंडी फुटवियर, एक्ट्रेस से लें इंस्पिरेशन

बॉलीवुड एक्ट्रेस अपने फैशनेबल लुक के लिए जानी जाती हैं। अक्सर इंटरनेट पर एक्ट्रेस का स्टाइलिश आउटफिट वायरल रहता हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस स्टाइलिश कपड़े के साथ साथ स्टाइलिश फुटवियर भी पहनती हैं। एक्ट्रेस ट्रेंडी कपड़ो से लेकर ट्रेंडी फुटवियर पहनती हैं। स्टनिंग हील्स, सैंडल और ट्रेंडी प्लैट्स के लिए आप बॉलीवुड दीवाज से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। चलिए देखते है स्टाइलिश फुटवियर।

सनशाइन

समर सीजन में आप ब्राइट कलर की ड्रेस के साथ ब्राइट कलर के फुटवेयर कैरी कर सकती हैं। ब्राइट कलर की हील काफी अच्छी लगती हैं।आलिया भट्ट की तरह आप भी ये नियॉन कलर की हील ट्राई कर सकती हैं।

मेटैलिक हील

पार्टी के लिए गर्ल्स को अक्सर मेटैलिक हील की जरुरत होती हैं। ऐसे में आप मौनी रॉय की इस मेटैलिक हील को कैरी कर सकती हैं। मेटैलिक हील आप किसी भी आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं।

मिनिमल हील

मिनिमल हील इन दिनों काफी ट्रेंड में बना हुआ हैं। एक्ट्रेस से लेकर आम लड़कियां क्लासी लुक के लिए मिनिमल हील पहनना पसंद कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा अक्सर मिनिमल हील पहने नजर आती हैं। स्ट्रैप वाली ये हील आप किसी भी पार्टी और ऑफिस आउटफिट के साथ पहन सकती हैं।

स्टाइलिश हील करीना कपूर खान के इस स्टाइलिश हील को आप किसी भी वेस्टर्न आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। सिल्वर कलर की हाई हील देखने में काफी खूबसूरत हैं। करीना कपूर अक्सर स्टाइलिश हील पहने नजर आती हैं। आप भी उनके इस डिजाइन को फॉलो कर सकती हैं।(आरएनएस)

बॉडी में विटमिन बी, विटमिन सी, आयरन और सोडियम की कमी को पूरा करता है लौकी का जूस

भले ही आपको लौकी का जूस पसंद न हो लेकिन आप इसके फायदे को नजरअंदाज नहीं कर सकते। यह आपके शरीर में विटमिन बी, विटमिन सी, आयरन और सोडियम की कमी को पूरा करता है। लो कैलरी वाले इस जूस को अगर आप रोज एक कप भी पिएं तो आपको जल्द ही फर्क नजर आने लगेगा।

खून की कमी होगी दूर

लौकी के जूस में आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो शरीर में खून की कमी को दूर करता है।

तेजी से घटेगा वजन

क्या आपको मालूम है कि लौकी के जूस में कैलरी और फैट बहुत कम होता है इसलिए जो लोग वजन घटाना चाहते हैं उनके लिए ये बहुत फायदेमंद साबित होता है।

सनटैन से छुटकारा

अगर आप चाहते हैं कि आप सनटैन से बचे रहें, तो भी लौकी का जूस आपके काम आ सकता है। इसके नैचरल ब्लीचिंग तत्व टैन त्वचा को लाइट करते हैं।

शरीर को डिटॉक्स करे

खाली पेट एक ग्लास लौकी का जूस पीने से आपको ताजगी और एनर्जी महसूस होती है। जूस में 98प्रति. पानी और ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकाल देते हैं। इसे पीने

कब्ज से दिलाए राहत

अगर आपको कब्ज की शिकायत रहती है तो सुबह लौकी का जूस पीने की आदत डाल लें।

वर्कआउट के बाद पीना फायदेमंद

वर्कआउट के बाद जिस प्रोटीन शेक को पीते हैं, उसकी जगह एक कप लौकी के जूस को पीकर देखिए। लौकी के जूस में मौजूद नैचरल शुगर न सिर्फ ग्लाइकोजीन के स्तर को बनाए रखती है बल्कि वर्कआउट के दौरान शरीर में कार्बोहाइड्रेट की कमी को भी पूरा करती है। इसमें प्रोटीन काफी मात्रा में होता है इसलिए ये मांसपेशियों की क्षमता भी बढ़ाता है।

सावधानी भी जरूरी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बनी विशेषज्ञ समिति ने इसको लेकर वॉर्निंग भी जारी की है। उसका यह भी कहना है कि जूस निकालने से पहले लौकी का एक छोटा टुकड़ा काटकर उसे चख लेना चाहिए। अगर वह कड़वा हो तो लौकी का किसी भी रूप में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। यह खतरनाक हो सकता है। समिति का यह भी कहना है कि सामान्य लौकी के जूस को भी किसी भी सब्जी या फल के जूस में मिलाकर नहीं पीना चाहिए। लौकी का जूस पीने के बाद अगर किसी को बेचैनी, चक्कर या उल्टी-दस्त की शिकायत हो तो उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाना चाहिए।(आरएनएस)

बच्चे को रखें टीवी और मोबाइल से दूर

आजकल तकनीक की पहुंच बच्चों तक हो गयी है और वे मैदान पर खेलने की जगह घर पर ही टीवी वीडियो गेम और मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। यह उनक सेहत के साथ ही पढ़ाई के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है। ज्यादा टी वी देखना आपके बच्चे के मानसिक सेहत के साथ-साथ उसके सामान्य स्वभाव को भी प्रभावित कर सकता है। टीवी की लत से कई प्रकार की हानियां हैं। सभी जानते हैं कि बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं। टीवी और उस पर आने वाले कार्टून सीरियरल का असर उन पर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर उनमें सोशल स्किल्स कम हो रहे हैं। यही वजह है कि 8 से 15 साल के 13 प्रतिशत बच्चों में एडीएचडी, ऑटिज्म, एंजाइटी आदि मानसिक परेशानियां पाई जाती हैं। टीवी की इसी लत के कारण किसी एक चीज पर ध्यान केंद्रित करने में भी उन्हें परेशानी होती है।

पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी परेशानियां भी इसी लत का नतीजा है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने का एक ही उपाय है, टीवी देखने की आदत पर नियंत्रण।' अगर आप चाहती हैं कि आपके बच्चे को कार्टून की लत न लगे, वह खेलकूद और पढ़ाई में भी पूरी तरह से सक्रिय रहे, तो इसके लिए कोशिश भी आपको ही करनी होगी।

बच्चे पर टीवी के लिए एकदम पाबंदी लगाना तो संभव नहीं है, इसलिए जरूरी है कि आप यह ध्यान दें कि आपका बच्चा टीवी पर कोई अच्छा व ज्ञानवर्धक प्रोग्राम ही देखे। ऐसा कोई भी सीरियल या कार्टून शो जो बच्चे की सोच को नकारात्मक बना सकता है, उससे बचें। कोशिश करें कि बच्चा ऐसा प्रोग्राम देखे जिसमें वह भाग ले सके। जैसे कि क्विज प्रतियोगिता, कोई आर्ट वर्क बनाने की विधि आदि। इस तरह के प्रोग्राम देखने से आपके बच्चे का मानसिक विकास होगा। यदि आपका बच्चा कुछ देखने की जिद करता है तो सबसे पहले उससे उस प्रोग्राम को देखने की वजह जानें। यदि वह ऐसा न कर पाए या उसकी मांग गलत हो तो उसे अपनी आपत्ति का कारण समझाएं।

अक्सर माता-पिता बच्चे की शैतानियों व जिद से बचने के लिए उसे टीवी में ही व्यस्त रहने देने में सुकून महसूस करते हैं। उन्हें लगता है, बाहर जाएगा, धूल-मिट्टी में खेलेगा, कपड़े गंदे करेगा या चोट लगा बैठेगा, इससे बेहतर है घर में ही आंखों के सामने टीवी देखता रहे। लेकिन आपकी यह सोच गलत है, आप इसके दीर्घकालिक प्रभाव को नजरअंदाज कर रही हैं। बच्चे को अपने आसपास के वातावरण से सीखने का मौका दें। इस तरह उनका शारीरिक व मानसिक विकास ठीक प्रकार से होगा। बच्चे को 1 या 2 घंटे से ज्यादा टीवी बिल्कुल न देखने दें।

कोशिश करें कि जब भी आपके बच्चे का टीवी देखने का टाइम है, उस वक्त आप भी उसके साथ बैठें। अपने काम करने के चक्कर में उसे अकेला बिल्कुल नहीं छोडें। टीवी देखते वक्त उसके हर सवाल का सही जवाब दें, यदि बच्चा सवाल न पूछे तो आप उससे उसके संदर्भ में सवाल पूछें। यदि बच्चे में किसी सीन को देखकर कोई गलत बात सीखने का अंदेशा हो तो बातों-बातों में उसे उस काम के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दें।

ज्यादातर परिवारों में लोग रात के वक्त खाना खाते हुए एक साथ बैठकर टीवी देखने को पारिवारिक एकजुटता का प्रतीक समझने की भूल करते हैं। लेकिन यह सोच सरासर गलत है। रात का खाना सब मिलकर खाएं, लेकिन साथ में टीवी नहीं देखें। आपस में बात करें। खासकर बच्चों के मामले में अक्सर देखा गया है कि बच्चा टीवी में इतना मगन हो जाता है कि मां को बार-बार टोक कर खाना खत्म करने के लिए बताना पड़ता है। जब बच्चा खाना खा रहा है तो टीवी बिल्कुल न चलाएं। आप जैसा माहौल बनाएंगी, बच्चे में वही आदत बन जाएगी।

बच्चे बहुत मासूम होते हैं। आप उन्हें जैसा बनाना चाहें, वैसा बना सकती हैं। अगर आपका बच्चा कुछ गलत कर रहा है तो उसकी वजह आप ही हैं। अक्सर माता-पिता टीवी और कार्टून को दोष देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। आपको यह समझना होगा, यदि बच्चे ने टीवी कार्टून से कुछ गलत सीखा है तो उसकी वजह है कि आप उस वक्त उसके साथ नहीं थीं। यदि उसी वक्त आपने बच्चे के साथ उस प्रोग्राम पर बात की होती, तो गलत सीख को दिमाग में घर करने से रोक सकती थीं। बच्चा टीवी में जो कुछ भी देखता है उसके बारे में उससे खुलकर चर्चा करें। उसे यह बताएं कि कार्टून में वह जो देख रहा है, वह सही नहीं है।

माथे से मुंहासें दूर करने के लिए आजमाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द दिखेगा असर

माथे पर मुंहासे त्वचा की सबसे जिद्दी समस्याओं में से एक है, जिनका पूरे लुक पर बुरा असर पड़ता है।अत्यधिक सक्रिय वसामय ग्रंथियां माथे पर मुंहासे होने का कारण बनती हैं। ये ग्रंथियां सीबम नामक एक पदार्थ बनाती हैं, जो रोमछिद्रों में कीटाणुओं या मृत त्वचा कोशिकाओं को फंसा सकती हैं।आइए आज हम आपको 5 ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जो माथे से मुंहासें दूर करने में प्रभावी माने जाते हैं।

एलोवेरा का करें उपयोग

एलोवेरा में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो माथे पर मुंहासे और फुंसियों को कम करने में मदद कर सकते हैं।लाभ के लिए एलोवेरा जेल को प्रभावित हिस्से पर हल्के हाथों से लगाएं।इसे 20-30 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद माथे को ठंडे पानी से धो लें।जब तक समस्या से छुटकारा न मिल जाए तब तक इस उपाय को रोजाना सुबह-शाम दोहराते रहें।यहां जानिए त्वचा को एलोवेरा से मिलने वाले लाभ।

टी ट्री ऑयल लगाएं

टी ट्री ऑयल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो हल्के से मध्यम माथे के मुंहासों को कम कर सकते हैं। इस तेल की एंटी-बैक्टीरियल प्रकृति मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से भी लड़ सकती है।लाभ के लिए टी ट्री ऑयल की 1-2 बूंदों को नारियल के तेल के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण में रुई डुबोकर इसे प्रभावित क्षेत्रों पर लगाएं।इसे रातभर लगा रहने दें। ऐसा आप रोजाना एक बार कर सकते हैं।

नींबू का तेल भी आएगा काम

नींबू के तेल में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा से मृत त्वचा कोशिकाओं को दूर करके मुंहासों को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।इसमें मैग्नीशियम एस्कॉर्बिल फॉस्फेट भी होता है, जिसका त्वचा पर हाइड्रेटिंग प्रभाव पड़ता है।लाभ के लिए नारियल के तेल में नींबू के तेल की 2-3 बूंदें मिलाकर इसे माथे पर लगाएं और मिश्रण को सूखने के लिए छोड़ दें।यहां जानिए नींबू के तेल से जुड़े हैक्स।

नीम भी है प्रभावी

नीम में शक्तिशाली एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। ये गुण त्वचा के मुंहासों को कम करने में मदद कर सकते हैं।लाभ के लिए 10-15 नीम की पत्तियों को आवश्यकतानुसार पानी के साथ पीसकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस मिश्रण को प्रभावित जगह पर लगाकर 20-30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।इसके बाद माथे को पानी से धो लें।मुंहासों से छुटकारा दिलाने में ये 5 नीम फेस पैक भी मदद कर सकते हैं।

आज के दौर में कठिन होता जा रहा है घर-गृहस्थी संभालना

गिरीश्वर मिश्र

घर-गृहस्थी संभालना सदा से मानव जीवन का एक कठिन काम रहा है। लेकिन आज की चुनौतियों के दौर में यह और भी कठिन होता जा रहा है। हममें से अधिकांश लोग रोजमर्रे की जिंदगी में तरह-तरह की कठिनाइयों और तकलीफों से गुजरते हैं। हर साल तनाव, अकेलापन और चिंता के अनुभव नई ऊंचाइयों को छूते नजर आ रहे हैं। अक्सर इसे तकनीकी प्रधान बनते आधुनिक जीवन की सौगात माना जाता है, जिसमें समय और गति, दोनों के दबाव तेजी से बढ़ रहे हैं। आजीविका, परिवार का भरण-पोषण और जीवन में अर्थ की तलाश को लेकर सभी परेशान दिख रहे हैं। इस भागदौड़ में बिना रचनात्मक दृष्टि अपनाए कल्याण नहीं दिखता। सच कहें तो इंसानी जीवन सृजन की संभावनाओं से भरा होता है, जिसकी परिधि पशुता और देवत्व के बीच विस्तृत है। पशु-वृत्तियां तो सहजात रूप में मौजूद होती ही हैं, वहीं देवत्व के बीज भी मौजूद रहते हैं। यदि परिस्थितियां और व्यक्ति की पहल से देवत्व को पोषण मिला तो गुणों का विकास होता है। वह उपलब्धि के शिखर पर पहुंच सकता है। परंतु धरती पर पैर जमाते हुए श्रेष्ठ को मन में ले कर आकाश की ऊंचाई कैसे तय की जाए? यह साधना कैसे हो? यह यात्रा कहां से शुरू हो और किधर से चल कर कहां जाया जाए? इसी उधेड़बुन में हम सभी परेशान रहते हैं। नए साल की शुरुआत पर अक्सर लोग संकल्प लेते हैं। घर-परिवार, मित्र-मंडली, स्वास्थ्य, रिश्ते-नाते, अध्यात्म कुछ भी इस संकल्प का विषय हो सकता है। पर बड़ी जल्दी ही खुद से किया गया वादा भूलने लगता है। जीवन में परिवर्तन उद्देश्य है, तो संकल्प परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। अपने अंदर टटोलना चाहिए, 'मैं सचमुच किधर जाना चाहता हूं।' कारण कि जीवन बीत रहा है, समय ठहरा नहीं रहता। हम ऐसे ही पदार्थ से बने हैं, जिनकी आयु सीमित है। शरीर का क्षरण होना तो अनिवार्य और अवश्यंभावी घटना है, पर हमें इसका स्मरण नहीं रहता या फिर हम इसे झुठलाते रहते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

इन लोगों को भूल से भी न खाने चाहिए बैंगन!

कई ऐसे लोग हैं जिन्हें बैंगन खाना काफी ज्यादा पसंद होता है। बैंगन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि हर मौसम में यह आपको आराम से मिल जाता है। लेकिन क्या आपको पता है सर्दी में बैंगन खाने के अपने ही फायदे हैं। बैंगन खाने से दिल की बीमारी, ब्लड शुगर हमेशा कंट्रोल में रहता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बैंगन खाने से वजन भी कम हो जाता है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि कुछ लोगों बैंगन खाने से परहेज करना चाहिए।

ये लोग न खाएं बैंगन :

गैस और पेट की गड़बड़ी वाले लोग भूल से भी न खाएं बैंगन

जिस व्यक्ति को अक्सर पेट की गड़बड़ी रहती है उन्हें बैंगन कभी नहीं खाना चाहिए। जिन व्यक्ति को गैस की समस्या होती है उन्हें भी बैंगन नहीं खाना चाहिए।

एलर्जी होने पर :

अग किसी व्यक्ति को किसी भी तरह की स्किन एलर्जी होती है उन्हें भी बैंगन से दूरी बना लेनी चाहिए। क्योंकि बैंगन खाने से आपकी एलर्जी ट्रिगर हो सकती है।

डिप्रेशन :

अगर कोई व्यक्ति डिप्रेशन की दवा लें रहा या किसी भी तरह के डिप्रेशन से जूझ रहे है तो आपको बैगन खाने से से बचना चाहिए, क्योंकि इसे खाने से आपकी दवा का असर कम हो सकता है।

खून की कमी :

शरीर में खून की कमी है तो बैंगन भूल से भी नहीं खाना चाहिए। क्योंकि यह आपके खून बनने में दिक्कत करता है।

आंखों में जलन :

जिन लोगों में आंखों में दिक्कत रहती है जैसे जलन या सूजन उन्हें बैंगन नहीं खाना चाहिए। क्योंकि यह दिन पर दिन और बढ़ सकता है।

बवासीर :

बवासीर से पीड़ित हैं तो बैंगन से दूरी बना लें। वरना आपकी दिक्कत समय के साथ अधिक बढ़ सकती है।

स्टोन:

जिन लोगों को स्टोन की दिक्कत होती है उन्हें बैंगन भूल से भी नहीं खाना चाहिए। क्योंकि बैंगन में पाया जाने वाला ऑक्सलेट पथरी की प्रॉब्लम और बढ़ा सकती है।(आरएनएस)

क्या तोड़कर नहीं खानी चाहिए दवाईयां, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट

बीमार होने पर डॉक्टर हमें दवाईयां देते हैं। कुछ लोग उन दवाईयों को तोड़कर खाते हैं। आधी गोली खाना वे सही मानते हैं। शायद आप भी ऐसा ही करते हों। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा करना चाहिए या नहीं। आधी दवा खाना फायदेमंद या नुकसानदायक होता है। अगर नहीं तो चलिए इस आर्टिकल में आज हम आपको बताते हैं कि दवाइयां तोड़कर खाना सेहत के लिए कितना सही है।

क्या दवा तोड़कर खा सकते हैं : अगर आप किसी दवा को तोड़कर खाते हैं तो ऐसा करने से पहले उस दवा पर लिखे निर्देशों को पढ़ लें। कई बार दवा पर यह लिखा होता है कि उसे तोड़कर खा सकते हैं या नहीं। अगर दवा के पीछे निर्देश में यह नहीं लिखा है तो आप डॉक्टर या मेडिकल

शॉप से इसके बारें में पूछ सकते हैं। हालांकि, पिल्स या कैप्सूल गलती से भी तोड़कर नहीं खाना चाहिए। क्योंकि इससे उसके अंदर का पाउडर और डोज कम हो सकता है।

किन दवाओं को नहीं तोडना चाहिए: कुछ गोलियों के पीछे शॉर्ट फॉर्म में सस्टेन रिलीज, कंट्रोल रिलीज और एक्सटेंड रिलीज लिखा होता है। ऐसी दवाईयों को डॉक्टर सीधे निगलने की सलाह देते हैं। इसका साफ मतलब है कि इन दवाओं को न तो तोड़कर, ना ही चबाकर खाना चाहिए। इस तरह के टैबलेट्स शरीर में जाकर धीरे धीरे घुलती है। जिसका असर देर तक रहता है।

किन दवाईयों को तोड़कर खा सकते हैं: हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सभी टैबलेट्स तोड़कर नहीं खा सकते हैं। कुछ गोलियों के बीच में एक लाइन बनी होती है। उन टैबलेट्स को तोड़कर खा सकते हैं। इस लाइन की पहचान ही होती है कि इसे आप तोड़कर खा सकते हैं। ऐसे टैबलेट्स को स्कोर टैबलेट कहते हैं। अगर आपको 500 एमजी की दवा खानी है और बाजार में 1,000 एमजी की दवा मिल रही है। अगर उस पर लकीर बनी हुई है तो आप तोड़कर खा सकते हैं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -028

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

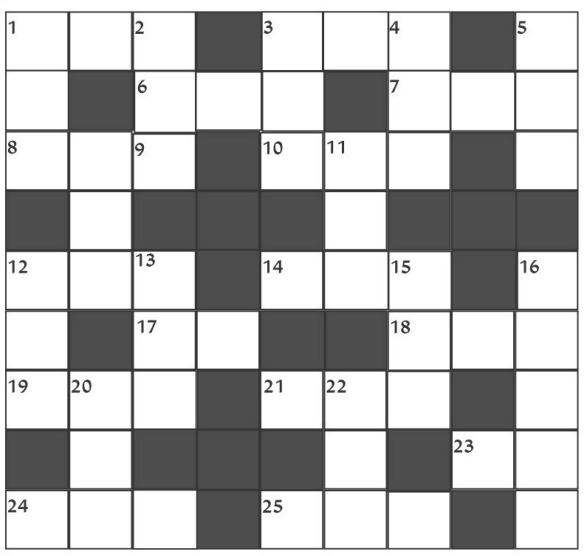

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 27 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल 27 अक्टूबर को रिलीज होगी

विक्रांत मैसी जल्द ही फिल्म 12वीं फेल में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगे। विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित यह फिल्म आईपीएस अधिकारी मनोज शर्मा पर आधारित है। अब निर्माताओं ने 12वीं फेल का टीजर जारी कर दिया है। यह फिल्म अनुराग पाठक के इसी नाम से आए लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित है। 12वीं फेल 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसकी ज्यादातर शूटिंग दिल्ली के मुखर्जी नगर में हुई है, जहां से मनोज शर्मा ने यूपीएससी की पढ़ाई की थी।

विक्रांत ने 12वीं फेल का टीजर साझा करते हुए लिखा, जबान चलाना शुरू कहां की अब तक- चंबल का हूं, समझा? 12वीं फेल का अनुभव, अनुराग पाठक की बेस्टसेलर से प्रेरित। यूपीएससी छात्रों के जीवन और संघर्ष को दिखाती एक फिल्म। सच्ची कहानी पर आधारित, वास्तविक छात्रों के साथ वास्तविक स्थानों पर फिल्माई गई, धैर्य, अखंडता और दृढ़ संकल्प की यह गाथा दस लाख भारतीयों की सच्चाई को दर्शाती है।फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

मनोज मध्य प्रदेश के मुरैना के रहने वाले हैं। उनका कहना है वह 10वीं-11वीं में नकल करके पास हुए थे, लेकिन 12वीं में फेल हो गए। अपना गुजारा करने के लिए मनोज ऑटोरिक्शा चलाने लगे।इसके बाद अधिकारी बनने का सपना लिए वह ग्वालियर चले गए। यहां पैसे न होने के कारण वह भिखारियों के साथ सोते थे।लगातार 3 कोशिशों के बाद चौथी बार में वह आईपीएस अधिकारी बन गए।मनोज 2005 बैच के महाराष्ट्र कैडर से आईपीएस बने।

विजय एंटनी ने आगामी प्रोजेक्ट रोमियो का फर्स्ट लुक जारी किया

विजय एंटनी ने इस साल बिचागाडु 2 के साथ जीत का अनुभव किया, जो मूल हिट बिचागाडु की अगली कड़ी थी। हालाँकि, उनके हालिया उद्यम हत्या/कोलाई को खराब समीक्षाओं और व्यावसायिक संघर्ष के कारण निराशा का सामना करना पड़ा।

अपने अगले प्रोजेक्ट, जिसका शीर्षक रोमियो है, में कदम रखते हुए, विजय एंटनी मृणालिनी रवि के साथ एक रोमांटिक संबंध साझा करते हैं, जैसा कि आकर्षक फर्स्ट लुक पोस्टर में पता चला है। अपने नाम के अनुरूप, रोमियो एक आकर्षक रोमांटिक ड्रामा का वादा करता है, जिसका निर्माण मलेशिया में शुरू हो रहा है। तेलुगु संस्करण का नाम लव गुरु है।

विनायक वैथिनाथन द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 2024 की गर्मियों में रिलीज़ के लिए तैयार है, जो सिल्वर स्क्रीन पर प्यार और भावनाओं की कहानी लाती है।

द फ्रीलांसर में अपने नेगेटिव किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं नवनीत मलिक

लव हॉस्टल और हीरोपंती 2 में अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले एक्टर नवनीत मलिक एक रोमांचक नए प्रोजेक्ट की शुरुआत करने वाले हैं।

एक्टर फिल्म निर्माता नीरज पांडे की अपकमिंग सीरीज द फ्रीलांसर में नेगेटिव किरदार निभाते नजर आएंगे। नवनीत पहली बार स्क्रीन पर नेगेटिव किरदार निभा रहे हैं। उसी के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा: द फ्रीलांसर में, मैं मोहसिन का किरदार निभा रहा हूं, जो आलिया का पति है। दोनों प्यार में डूबे कपल है, लेकिन उनके खुशहाल जीवन में एक खतरनाक मोड़ आता है, जो सीरीज की कहानी में ट्विस्ट लाने का काम करता है। मैं एक ग्रे किरदार निभा रहा हूं, जिसका मतलब है कि दर्शकों को मोहसिन के अच्छे और बुरे दोनों पक्ष देखने को मिलेंगे।

शो का हिस्सा बनने के अपने फैसले पर, नवनीत ने कहा, जब मुझे पता चला कि इस सीरीज को नीरज पांडे सर बना रहे है, तो मैं बहुत खुश हुआ और जानता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है। और जब मुझे अपने किरदार के बारे में पता चला, ऐसा लगा जैसे यह मेरे लिए ही बनाया गया हो।

उन्होंने कहा, मोहसिन का किरदार निभाने से मुझे पॉजिटिव और नेगेटिव दोनों शेड्स दिखाने का मौका मिलता है और मैं अपने करियर के इस पड़ाव पर इससे बेहतर मौके की उम्मीद नहीं कर सकता। कथानक, कहानी और पात्र बिल्कुल अद्भुत हैं, और मैं कहानी में बड़ा प्रभाव डालूंगा।

द फ्रीलांसर में फ्रीलांसर के रूप में मोहित रैना, शानदार एनालिस्ट डॉ. खान के रूप में अनुपम खेर और आलिया के रूप में कश्मीरा परदेसी शामिल हैं।

यह सीरीज शिरीष थोराट की किताब ए टिकट टू सीरिया पर आधारित है। कहानी युद्धग्रस्त सीरिया में बंदी बनाई गई एक युवा लड़की को बचाने के रेस्क्यू ऑपरेशन के इर्द-गिर्द घूमती है।

भाव धूलिया ने निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। सीरीज में प्रतिभाशाली सुशांत सिंह, मंजरी फडनीस, सारा जेनडियास, जॉन कोककेन और गौरी बालाजी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

करीना ने किया अपनी नई फिल्म जाने जान का ऐलान!

बॉलीवुड की बेबो यानी करीना कपूर लंबे समय के बाद एक बार फिर स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। काफी समय से फिल्मों से दूर रहीं अभिनेत्री एक दमदार कमबैक की घोषणा कर चुकी हैं। करीना कपूर खान ने आखिरकार सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर जाने जान की घोषणा कर दी है। इसमें विजय वर्मा और जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अब इस फिल्म का फर्स्ट लुक जारी हो गया है। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेत्री कैसी लग रही हैं।

गौरतलब है कि फिल्म के पहले लुक के साथ करीना कपूर खान, जयदीप अहलावत और विजय वर्मा अभिनीत और सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित जाने जान 21 सितंबर, 2023 को रिलीज होगी। इस घोषणा का करीना कपूर के प्रशंसकों को लंबे समय से इंतजार था क्योंकि 21 सितंबर को ही अभिनेत्री अपना जन्मदिन भी मनाती हैं। करीना कपूर खान इस फिल्म में बिल्कुल नए रूप में एक मां की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

फिल्म में जयदीप अहलावत का लुक आपको डबल करने पर मजबूर कर देगा, जबकि विजय वर्मा एक हैंडसम पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म कलिम्पोंग पर आधारित है।

नेटफ्लिक्स ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'जाने जान हमारे अपने जाने जान के जन्मदिन पर आ रही है करीना कपूर खान। किसी अन्य से बेहतर तोहफे का इंतजार किए बिना अपने-अपने कैलेंडर पर डेट मार्क करें। जानेजान 21 सितंबर को आएगी, केवल नेटफ्लिक्स पर!

एक इंटरव्यू में निर्देशक सुजॉय घोष ने अपनी आगामी फिल्म के बारे में बताते हुए कहा, 'जाने जान उस किताब पर आधारित है, जो लंबे समय से मेरे जीवन का प्यार रही है। जिस दिन से मैंने 'डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' पढ़ा। मैं इसे एक फिल्म में रूपांतरित करना चाहता था। यह मेरी अब तक पढ़ी सबसे अद्भुत प्रेम कहानी थी और आज करीना, जयदीप और विजय की बदौलत वह कहानी पर्दे पर जीवंत है।'

शाहरुख खान की जवान को मिला यू/ए सर्टिफिकेट

शाहरुख खान की फिल्म जवान 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। शाहरुख खान की जवान का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म ने रिलीज से पहले ही कई रिकॉर्ड तोड़ना शुरू कर दिए हैं। जवान की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और अब तक करोड़ों के टिकट बिक भी चुके हैं।

शाहरुख खान की जवान को यू/ए सर्टिफिकेट मिला है। इसके साथ ही इसमें 7 बदलाव किए हैं। कुछ सीन को हटाने और कुछ डायलॉग बदलने के लिए कहा गया है। सेंसर बोर्ड की तरफ से जवान को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक ट्विटर यूजर ने ट्वीट करके सेंसर बोर्ड के रिस्पॉन्स के बारे में बताया हैं। उन्होंने ट्वीट किया-जवान सेंसर डन। सोर्सेज के मुताबिक फिल्मों में कई रोंगटे खड़े कर देने वाले मूमेंट हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जवान को सेंसर की टीम की तरफ से बहुत पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। 7 सितंबर को बॉक्स ऑफिस पर सुनामी का इंतजार करिए।

शाहरुख खान की जवान में सेंसर बोर्ड ने कुछ बदलाव करने के लिए भी कहा है। इसमें 7 मेजर कट लगे हैं। साथ ही उंगली करना जैसे कुछ डायलॉग्स को बदलने के लिए कहा गया है।

जवान का ट्रेलर जब रिलीज हुआ था उसके बाद से इसे लेकर एक्साइटमेंट और ज्यादा बढ़ गई है। ट्रेलर में शाहरुख खान का लुक देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं। शाहरुख खान और नयनतारा का रोमांस भी फिल्म में देखने को मिलेगा।

जवान की बात करें तो इसे एटली कुमार ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में शाहरुख खान, नयनतारा, विजय सेतुपति, सान्या मल्होत्रा अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में दीपिका पादुकोण का स्पेशल अपीयरेंस भी है।

सत्यप्रेम की कथा मेरे दिल में एक बहुत ही विशेष स्थान रखती है : कियारा

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की सत्यप्रेम की कथा को 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। फिल्म ने भारत में 77.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि दुनियाभर में फिल्म 100 करोड़ रुपये से अधिक बटोरने में सफल रही। अब सत्यप्रेम की कथा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे दी है। ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर सत्यप्रेम की कथा का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, एक प्रेम कहानी जो टूटे हुए दिलों को जोड़ने और प्यार में हमारे विश्वास को फिर से जगाने के लिए है। इसमें गजराज राव, सुप्रिया पाठक, शिखा तलसानिया और राजपाल यादव जैसे कलाकार भी नजर आए।सत्यप्रेम की कथा को लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया था। इसका निर्देशन समीर विदवान्स ने किया है।

कार्तिक ने कहा, सत्यप्रेम आज तक मेरे सबसे पसंदीदा किरदारों में से एक है और यह मेरे दिल के बहुत करीब है। सत्तू को पर्दे पर जीवंत करने का सफर एक अविश्वसनीय और समृद्ध अनुभव रहा है। यह एक अनोखी भूमिका थी। - जो सरल, ईमानदार और प्यार में पागल है।

मुझे इस भावनात्मक रूप से भरे किरदार को निभाने में बहुत मजा आया और मैं फिल्म के पीछे की अविश्वसनीय टीम का हमेशा आभारी हूं।

कियारा ने आगे कहा, सत्यप्रेम की कथा मेरे दिल में एक बहुत ही विशेष स्थान रखती है। कथा की जटिलताओं और कमजोरियों को अपनाना और चित्रित करना काफी चुनौतीपूर्ण था, फिर भी एक पुरस्कृत अनुभव था। मुझे जो स्नेह और प्रशंसा मिली है - और अभी भी मिल रही है - कथा मेरी कल्पना से कहीं अधिक है।

पूरी फिल्म टीम के साथ सहयोग करना बिल्कुल अद्भुत था। मैं अपने निर्देशक समीर विदवान्स का आभारी हूं जिन्होंने कथा के रूप में मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पेश किया।

सत्यप्रेम की कथा प्यार की तलाश में सत्यप्रेम (कार्तिक) की कहानी है, जिसे अंतत: कथा (कियारा) से प्यार हो जाता है। हँसी-मज़ाक, दोस्ती और आख़िरकार शादी से उनकी यात्रा एक पथरीले रास्ते पर पहुँचती है जब सत्यप्रेम को एक बड़े सच्चाई का सामना करना पड़ता है, जो उनके बंधन का परीक्षण करता है।

निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने कहा: सत्यप्रेम की कथा वास्तव में एक विचारोत्तेजक संदेश वाली एक विशेष फिल्म है। मैं सिनेमाघरों में फिल्म की जबरदस्त सफलता से वास्तव में आभारी हूं, और यह पूरी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। हम प्राइम वीडियो की पहुंच की बदौलत अब हम दुनिया भर के दर्शकों के बीच एक खूबसूरत संदेश के साथ इस फिल्म को लेकर खुश हैं।

नए कानून क्या न्याय की गारंटी होंगे ?

अजीत द्विवेदी

भारतीय दंड संहिता की जगह अब भारतीय न्याय संहिता लागू की जाएगी। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू होगी और साक्ष्य कानून की जगह भारतीय साक्ष्य कानून लागू होगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए मॉनसून सत्र में तीन विधेयक पेश किए और तीनों विधेयकों को गृह मामलों की संसदीय समिति के पास विचार के लिए भेज दिया गया है। संसदीय समिति को तीन महीने का समय दिया गया है। इसका मतलब है कि नवंबर में जब संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होगा तब तक संसदीय समिति की रिपोर्ट आ चुकी होगी और उसके हिसाब से सुझावों-संशोधनों को इसमें शामिल करके बिल को पास कराने के लिए संसद में रखा जा सकता है। अगर ये तीनों बिल पास हो जाते हैं, जिसकी पूरी संभावना है तो यह देश की न्यायिक व्यवस्था में एक नए दौर की शुरुआत होगी।

ध्यान रहे भारतीय दंड संहिता 1861 में लागू की गई थी, जिसे थोड़े बहुत बदलाव के साथ अभी तक जारी रखा गया है। अपराध प्रक्रिया संहिता को 1973 में लागू किया गया था और साक्ष्य कानून 1872 में अस्तित्व में आया था। इनमें समय समय पर बदलाव किया गया और देश, समाज की बदलती जरूरतों के हिसाब से इन्हें नया रूप देने की कोशिश की गई। लेकिन कभी भी इसे पूरी तरह से बदलने का प्रयास नहीं हुआ या मौजूदा समय की जरूरत के हिसाब से व्यापक बदलाव नहीं किया गया। इस लिहाज से कह सकते हैं कि सरकार का प्रयास गंभीर है, जरूरी है और व्यापक भी है। लंबे विचार विमर्श के बाद इन तीनों कानूनों में बदलाव का मसौदा बना है और उसे संसद में रखा गया है।

इन तीनों कानूनों में बदलाव के लिए पेश किए गए मसौदे पर कानूनी जानकारों ने बहुत बारीकी से विचार किया है और इसकी कमियों, खूबियों को उजागर किया है। हालांकि देश के अनेक जाने-माने कानूनी जानकार दलगत निष्ठा से बंधे हुए हैं या वैचारिक आधार पर मुख्तलिफ राय रखते हैं। इसलिए उनकी समीक्षा बुनियादी रूप से एकतरफा है। ऐसा नहीं है कि इन तीनों कानूनों में सब कुछ खराब है। इसमें कुछ अच्छी और जरूरी चीजें भी हैं लेकिन इसकी जो खामी है वह बहुत बड़ी है और उम्मीद करनी चाहिए कि संसदीय समिति उस पर गंभीरता से विचार करेगी और सरकार को उसे बदलने की सिफारिश करेगी। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह सरकार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का जो मसौदा लेकर आई है उसमें सबसे बड़ी खामी किसी नागरिक को बिना आरोप लगाए तीन महीने तक पुलिस हिरासत में रखने का प्रावधान है। इसे बदला जाना चाहिए।

मौजूदा अपराध प्रक्रिया संहिता में किसी भी नागरिक को बिना आरोप लगाए 60 दिन तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। तभी गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर पुलिस किसी आरोपी को अदालत में पेश करती है और अदालत उसे दो बार या तीन बार पुलिस हिरासत में भेजती है उसके बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाता है। नए कानून में प्रावधान है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी को 60 दिन तक हिरासत में रखा जा सकता है और फिर 90 दिन तक बढ़ाया जा सकता है। यह बहुत कठोर और बर्बर प्रावधान है। किसी भी व्यक्ति को बगैर न्यायिक अभिरक्षा के इतने लंबे समय तक अगर पुलिस की हिरासत में रखा जाता है तो यह उसके साथ बहुत बड़ी ज्यादती होगी। इतनी लंबी अवधि में उसके ऊपर दबाव बनाने और उससे जोर जबरदस्ती गुनाह कबूल कराने की संभावना रहेगी। पुलिस हिरासत की इतनी लंबी अवधि किसी को भी तोड़ सकती है। इसमें गुनाहगार और बेगुनाह दोनों के साथ ज्यादती की संभावना है।

इस तरह का प्रावधान करते समय मसौदा तैयार करने वाले जानकारों को दुनिया की बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में जानकारी लेनी चाहिए थी। दुनिया में सबसे बेस्ट प्रैक्टिस स्कॉटलैंड में है, जहां बिना आरोप लगाए किसी भी व्यक्ति को सिर्फ छह घंटे तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। अगर छह घंटे की अवधि बहुत कम है तो इसे छह दिन किया जा सकता है लेकिन 90 दिन की पुलिस हिरासत का प्रावधान इस पूरी कवायद पर एक दाग है, जिसे हटाना सबसे जरूरी है। इसी तरह से एक कठोर प्रावधान हथकड़ी लगाने का है। भारत में इसका प्रावधान नहीं है लेकिन नए कानून में पुलिस को अपने विवेक से हथकड़ी लगाने का अधिकार दिया जाएगा। इसी तरह विशेष स्थितियों में रात में महिलाओं की गिरफ्तारी का अधिकार दिया जा रहा है और किसी भी गिरफ्तारी के समय हर तरह के उपायों का इस्तेमाल करने का अधिकार भी पुलिस को दिया जा रहा है। अगर यह कानून बनता है तो गिरफ्तारी के समय हिंसा और यहां तक की इनकाउंटर तक को वैधता मिल जाएगी।

भारतीय न्याय संहिता में सरकार ने देशद्रोह की धारा हटा दी है लेकिन राज्य के प्रति अपराध को शामिल कर लिया है, जो पहले वाले कानून से ही मिलता जुलता है। राज्य के खिलाफ बोलने या किसी भी माध्यम से की जाने वाली अभिव्यक्ति या वित्तीय लेन-देन को लेकर यह कानून लागू किया जा सकता है। इसमें सात साल से उम्रकैद तक की सजा है। इसलिए कुछ ज्यादा बदलाव होते नहीं दिख रहे हैं, बल्कि पुलिस को पहले के मुकाबले स्वविवेक से ज्यादा फैसले करने का अधिकार दिया जा रहा है। इसके अलावा वकीलों से लेकर आम लोगों तक के लिए एक मुश्किल कानून की धाराओं के नंबर बदले जाने से होगी। नए कानून में हत्या के लिए 302 की जगह धारा 101 लगेगी और धोखाधड़ी के लिए धारा 420 की जगह 316 होगी। पिछले 163 साल में लोगों की जुबान पर ये धाराएं हैं। पुराने मामलों में मुकदमे इन्हीं धाराओं में चल रहे हैं और दस्तावेजों में पुरानी धाराएं ही लिखी हुई हैं। सो, एक ही अपराध के लिए दो-दो धाराएं कानूनी प्रक्रिया में इस्तेमाल होंगी, इससे कंफ्यूजन बनेगा।

बहरहाल, इस कानून में कुछ अच्छे प्रावधान हैं, जैसे इसमें कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ शिकायत मिलने से लेकर जांच और अदालत में सुनवाई तक का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रखा जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि सभी पक्षों के लिए सारी जानकारी को एक्सेस करना बहुत आसान हो जाएगा। इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा और बहुत आसानी से एक्सेस किया जा सकेगा। एक दूसरा प्रावधान यह है कि पुलिस किसी व्यक्ति के यहां छापा मारती है या उसे गिरफ्तार करने जाती है तो पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होगी। इससे गिरफ्तारी या छापे के समय होने वाली ज्यादतियों में कमी आएगी और किसी को गलत तरीके से फंसाने के लिए सबूत प्लांट करने की घटनाएं बंद होंगी या कम होंगी।

तीनों नए कानूनों में ढेर सारे प्रावधान हैं, जिन पर बारीकी से विचार करने की जरूरत है। लेकिन इन कानूनों पर विचार के बीच एक बड़ा सवाल यह भी है कि सिर्फ कानून बदलने से क्या होगा? कानून को लागू करने वाला सिस्टम जब वही है तो कानून या उसकी धाराओं में बदलाव कर देने से क्या बदलेगा? देश का पुलिस सिस्टम नहीं बदला जा रहा है। दुनिया के विकसित देशों में लॉ एंड ऑर्डर, इन्वेस्टिगेशन और प्रॉसीक्यूशन के लिए अलग अलग पुलिस होती है। भारत में एक ही पुलिस सारे काम करती है। अगर पुलिस सिस्टम को नहीं बदला जाता है, पुलिस का बेहतर प्रशिक्षण नहीं होता है तब तक कानून बदलने का कोई खास फायदा नहीं होगा। न्यायिक व्यवस्था भी पहले वाली ही रहनी है। बुनियादी ढांचे की कमी की वजह से नीचे से लेकर ऊपर तक जजों की संख्या नहीं बढ़ाई जा रही है, जिसका नतीजा यह है कि मुकदमों का अंबार और बढ़ता जा रहा है। कानून में बदलाव के साथ साथ अगर इसमें भी सुधार किया जाता तो ज्यादा बेहतर होता।

सू- दोकू क्र.028

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.27 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

अप्रिय गंध से पाएं छुटकारा

बारिश का मौसम एक तरफ जहां चिलचिलाती गर्मी से राहत देता है तो वहीं वे कई तरह की समस्याएं आगमान भी शुरू हो जाता है। तेज बारिश होने से घरों में सीलन कि वजह से दीवारों गीली हो जाती हैं और कमरे में गंदी बदबू आने लग जाती है। बरसात में मच्छर, कीडे, गन्दगी और बीमारियों का समाना करना पडता है। उन्हीं में एक परेशानी होती है वो है घर में सीलन के कारण अप्रिय गंध। अप्रिय गंध से मन बडा पेरशान रहता है और उसे दूर करने का उपाय सोचता रहता है। प्रस्तुत हैं, अप्रिय गंध दूर करने के उपाय।

घर में ताजी हवा आने बहुत जरूरी है, नहीं तो उमस के कारण आपका कमरा गंध मारने लगेगा।

बरसात आने से पहले ही छतों की देखभाल अच्छे से करवा लेनी चाहिए। इसके अलावा वॉटरप्रूफ कोटिंव करवाना न भूलें।

अगर आपके घर की दीवारों में दरारें आ गई हैं तो उसे तुरंत बंद करवाएं नहीं तो बारिश का पानी घर के अंदर आ सकता है।

घर के फ्श, दरी और चटाई की रोज सफाई करना न भूलें। अगर यह काम न आये तो इन्हें पॉलीथीन में बंद करके कहीं रख दें।

गांव की छांव

ज्ञानदत्त पाण्डेय

गांव, गांव ही रहेगा। मैं सोचता था कि गांव हाईवे के किनारे है, गांव के बीच में एक रेलवे स्टेशन है। रेल का दोहरीकरण हो रहा है। बहुत बदलाव हो रहे हैं। लेकिन गांव तो गांव ही है। कभी बिना मांगे सलाह मिलती है तो कभी अपनापन। ऐसा ही हुआ पिछले दिनों। यूं ही पूरा दिन बीत जाता है। कहते हैं, पुरवाई चले तो आलस आता है। मौसम तप रहा था। पछुआ हवा थी-गर्म और सूखी। शाम के समय हल्की आंधी आई और बिजली गायब। नींद उखड़ी-उखड़ी सी रही।

दिन में जब तब आंखें झपक जाती थीं। बिजली नहीं, इंटरनेट भी उखड़ा-उखड़ा सा। पूर्वांचल में प्रवासी आने लगे हैं बड़ी संख्या में साइकिल/ऑटो/ट्रकों से। उनके साथ आ रहा है वायरस भी, बिना टिकट।

गांव देहात में मामले बढ़ रहे हैं, पर लगता है जनता कुछ सचेत है। शहरों की भीड़ यहां नहीं है। लोग खोंचा या मास्क उतना पहने नहीं दिखते, पर मुंह पर गमछे की आड़ बनाये दिखते हैं। दुकानदार ज्यादा सतर्क हैं। दो दवा के दुकानदारों ने तो सामने शीशे का स्क्रीन जैसा बनवा कर ग्राहक से दूरी बनाने का इंतजाम कर लिया है। दवा की दुकान पर बीमार के आने और संक्रमण के फैलने की सम्भावना ज्यादा है।

कई लोग पूरी तरह बेफिक्र नजर आते हैं! सवेरे गंगा किनारे नावों के पास बैठे नौजवान उसी प्रकार के हैं। आपस में चुहुलबाजी करते। वहीं पर राजेश मिला। राजेश सरोज। वह बम्बई गया था। वहां से मुझे फोन पर बताया था कि किसी मछलीमार नौका में स्थान बनाने का यत्न कर रहा है। बम्बई से लॉकडाउन के पहले ही आ गया था। तब ट्रेनें चल रही थीं। आज शाम गुन्नी पाण्डे आये थे। एक सज्जन की दशा बता रहे थे। दो शादियां हुई थीं उन सज्जन की। पहली से एक लड़का है जो नौकरी कर रहा है। पहली पत्नी के देहावसान के बाद दूसरी शादी हुई तो उससे चार लड़के हैं। चारों ही अकर्मण्य। आसपास देखें तो जो दुख, जो समस्यायें, जो जिंदगियां दिखती हैं, उनके सामने कोरोना विषाणु की भयावहता तो पिद्दी सी है। पर जैसा हल्ला है, जैसा माहौल है; उसके अनुसार तो कोरोना से विकराल और कुछ भी नहीं। यह समय भी निकल जायेगा। समझाते अच्छा हैं गांव वाले निश्छल भाव से।

समिति ने रणजीत सिंह वर्मा को उनकी चौथी पुण्यतिथि पर याद किया

संवाददाता

देहरादून। राज्य प्राप्ति आंदोलन के अग्रणी नेता स्व. रणजीत सिंह वर्मा को उनकी चौथी पुण्यतिथि पर नेताजी संघर्ष समिति ने याद किया।

आज यहां राज्य प्राप्ति आंदोलन के अग्रणी नेता रहे स्वर्गीय रणजीत सिंह वर्मा की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर नेताजी संघर्ष समिति ने उन्हें याद किया। स्मरण रहे कि समिति के पदाधिकारियों ने राज्य प्राप्ति आंदोलन स्वर्गीय रणजीत सिंह वर्मा के कुशल नेतृत्व में देहरादून में लड़ा था समिति के अधिकारियों ने 1994 को मसूरी में शहीद हुए शहीदों को याद किया शहीदों को याद करने वालों में प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, विपुल नौटियाल, अरुण खरबंदा,धर्मेंद्र, सुशील विरमानी, राम सिंह प्रधान आदि मोजूद रहे।

तीन किलो गांजे के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने तीन किलो गांजे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने मोहकमपुर फ्लाईओवर के पास दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया तो वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से तीन किलो 140 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम ठाकुर पुत्र अर्जुन सिंह निवासी अलीगढ व शिवम पुत्र ओम सिंह निवासी कासगंज बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मकान का दरवाजा तोड जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का दरवाजा तोडकर वहां से जेवरात व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लकड घाट श्यामपुर निवासी अरूण रवि ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ 29 अगस्त को परिवार सहित बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके घर का दरवाजा टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान अस्त व्यस्त पडा था। चोर उसके यहां से सोने के जेवरात व कैमरा आदि सामान चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्कूटर से लैपटाप चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने स्कूटर पर रखा लैपटॉप चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भागीरथी पुरम इंजीनियर एन्क्लेव निवासी रूपक बिष्ट ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार से घर की तरफ आ रहा था। वह बिन्दाल पुल के पास विशाल डेरी पर रूका और उसने अपना स्कूटर खडा कर दिया। स्कूटर पर उसके लैपटॉप का बैग लटका हुआ था। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसके लैपटॉप का बैग वहां से गायब था। बैग में लैपटॉप रखा हुआ था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिसकर्मियों पर वाहन चढ़ाने का..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मिली कि वह एक शातिर लीसा तस्कर है। जिसे पुलिस ने कल देर रात एक सूचना के बाद हल्द्वानी से गिरफ्तार कर लिया गया है।

पूछताछ मे रवि भट्ट ने बताया कि मै बैगनार कार का मालिक हूं तथा वह 29 अगस्त की रात अपने साथी जिसका नाम मनोज आर्या है तथा जिसकी कार इंडीवर है उसकी कार में 46 कनस्तर लीसी तथा अपनी वैगरनार कार में 24 कनस्तर लीसा रखकर ले जा रहे थे। इस दौरान मेरी कार में एक और साथी जिसका नाम रितिक मेहरा पुत्र राजेन्द्र मेहरा निवासी खुटानी थाना भीमताल मौजूद था। बताया कि जब हम थाना पुलभट्टा के पास पहुंचे तो पुलिस चैकिंग देखकर घबरा गये। जिस पर हमने टक्कर मारकर पुलिस बैरियर तोड़ दिये। आगे चलकर मैं घबरा गया और अपनी बैगनार कार को एक ढाबे के पास छोड़कर अपने साथी रितिक के साथ भाग निकला। बताया कि हमारा साथी मनोज आर्या अपनी इन्डीवर कार लेकर बहेडी की ओर टोल के बैरियर उडाता हुआ भाग गया था। बताया कि मनोज आर्या के कहने पर ही हम वह लीसा ले जा रहे थे। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है जबकि फरार चल रहे दो अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश में जुटी है।

राज्य आंदोलनकारी व पूर्व विधायक स्व. रणजीत सिंह वर्मा को पुण्य तिथि पर दी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन के पुरोधा एवं पूर्व विधायक स्व. रणजीत सिंह वर्मा की चतुर्थ पुण्य तिथि पर राज्य निर्माण आंदोलनकारी मंच एवं स्व0 रणजीत सिंह वर्मा चौरिटेबल ट्रस्ट की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्व0 रणजीत सिंह वर्मा चौरिटेबल ट्रस्ट की ओर से राज्य निर्माण आंदोलनकारियों एवं समाज सेवा से जुडे लोगों तथा पंचायत प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खटीमा एवं मसूरी गोली काण्ड के शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

उपरोक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं अग्रणी राज्य आन्दोलनकारी तथा रेडक्रॉस के राज्य कोषाध्यक्ष मोहन सिंह खत्री ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्व0 रणजीत सिंह वर्मा जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद करते हुए राज्य निर्माण आन्दोलन एवं विधायक के रूप में उनके द्वारा किये गये कार्यों को याद करते हुए राज्य निर्माण आंदोलनकारियों एवं समाज सेवा क्षेत्र से जुडे लोगों को सम्मानित किया गया। मोहन खत्री ने यह भी कहा कि स्व0 वर्मा जी की प्रत्येक पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता रहा है।

इस अवसर पर पूर्व काबिना मंत्री हीरा सिंह बिष्ट ने कहा कि स्व0 रणजीत सिंह वर्मा जी ने विधायक रहते हुए तथा राज्य निर्माण आन्दोलन में जो योगदान दिया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है तथा स्व0 श्री रणजीत सिह वर्मा जी द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किये गये कार्यों एवं अपनी सादगी के लिए सदैव याद किये जाते रहेंगे।

वरिष्ठ आन्दोलनकारी नेता रविन्द्र जुगरान ने कहा कि स्व0 वर्मा जी के राज्य आन्दोलन के योगदान को पीढ़ियों तक याद किया जाता रहेगा। उन्होंने मुज्जफर नगर गोली काण्ड का स्मरण करते हुए कहा कि स्व0 वर्मा जी आन्दोलन का नेतृत्व कर रहे थे जब निहत्थे आन्दोलनकारियों पर उत्तर प्रदेश की क्रूर पुलिस ने गोलियों की वर्षा की। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी मंच के अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी ने स्व0 रणजीत सिंह वर्मा जी को उत्तराखण्ड राज्य का दूसरा गांधी संबोधित करते हुए कहा कि स्व0 इन्द्रमणि बडोनी जहां उत्तराखण्ड के पहले गांधी थे तो स्व0 रणजीत सिंह वर्मा को दूसरे गांधी के रूप में देखा जायेगा।

रणजीत सिंह वर्मा चौरिटेबिल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय वर्मा ने कहा कि स्व0 रणजीत सिंह वर्मा जी का शिक्षा के प्रति बड़ा लगाव था जिसके लिए आने वाले समय में चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले शिक्षकजनों एवं बुद्धिजीवियों को सम्मानित करने का कार्यक्रम किया जायेगा।

श्री चण्डी प्रसाद थपलियाल, राजेन्द्र शाह, गोपाल चौहान, देवराज, किशन सिंह, सुभाष चौहान, मनोज नौटियाल, रविन्द्र सोलंकी, मौ0 शाहिद, सुरेन्द्र सिंह राणा, धर्मेन्द्र रावत, अनुज नौटियाल, अनिल उनियाल, अनिल प्रकाश कौशल, राहुल राणा, देवेन्द्र चौधरी, बृजेश भाटिया, नरेन्द्र सिंह चौहान, आनन्द रमोला, सूरत सिंह नेगी, हरीश पंत, ओमी उनियाल, सुनील नौगाई, अमित थापली, राजवीर नेगी आदि अनेक लोगों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में रणजीत सिंह वर्मा चौरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय वर्मा, आंदोलनकारी मंच के जयदीप सकलानी, अशोक वर्मा, नरेन्द्र सिंह चौहान, डॉ0 एम.एन. अंसारी, प्रदीप कुकरेती, चन्द्रमोहन सिंह नेगी, केशव उनियाल, मुन्नी खण्डूरी, पुष्पलता सिलमाना, द्वारिका बिष्ट, प्रमिला रावत, योगेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

मेजोन मार्ट खोलने के नाम पर की थी लाखों की धेखाधड़ी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। मेजोन मार्ट खोलने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने तेलांगाना से गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आरोपी के दो और साथी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती 26 अप्रैल को राजेन्द्र सिंह रौथाण निवासी पैठाणी, ग्राम डाग, पौड़ी गढ़वाल द्वारा थाना पैठाणी पर तहरीर देकर बताया गया था कि मेजोन मार्ट खोलने के नाम पर तीन व्यक्तियों बॉबी चौधरी, हरेन्द्र व संदीप द्वारा उनके साथ 8 लाख 47 हजार की धोखाधड़ी की गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीते कुछ दिनों पूर्व सूचना मिली कि उक्त मामले का आरोपी बाबी चौधरी हैदराबाद तेलांगना में छुपा हुआ है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा बताये गये स्थान पर दबिश देकर बीते रोज बाबी चौधरी को हैदराबाद तेलांगना से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

राज्य में बढ़ रहा है गुलदार का आंतक, वन विभाग बना मूकदर्शक

हमारे संवाददाता

देहरादून। राज्य के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों गुलदार का आंतक अपने चरम पर है। यहां कई क्षेत्रों में लोगों ने शाम होते ही अपने घरों से निकलना छोड़ दिया है तो वहीं कई इलाकों में ग्रामीणों ने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है। वहीं सूचना देने के बावजूद वन विभाग क्षेत्र में गश्त कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री करने में जुटा हुआ है। लेकिन वह इसका स्थायी सामाधान ढूंढने में नाकाम है।

यूं तो राज्य में वन्य जीवों के साथ मानव संघर्ष आम बात है। लेकिन बीते कुछ सालों में यह संघर्ष काफी हद तक बढ़ चुका है। मानव द्वारा जंगलों का कटान के साथ ही अवैध शिकार कर मांसाहारी वन्य जीवों के शिकार बनने वाले जानवरों को खत्म कर दिया जा रहा है इसलिए अब मासांहारी वन्य जीव अब मानव बस्तियों का रूख करने में लगे हुए है। जिनमे खास तौर पर उत्तराखण्ड में बाघ व गुलदार (लैपर्ड) शामिल है।

गुलदार (लैपर्ड) के आंतक का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बीते दो दिनों से जिला चम्पावत के टनकपुर-चंपावत राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुलदार चार दोपहिया वाहन सवारों पर हमला कर चुका है। गनीमत यह रही कि इन हमलों में सभी लोग बाल-बाल बच गये। यहां सूचना मिलने के बाद भी वन विभाग इन हमलों को रोकने में नाकामयाब हो रहा है।

वहीं दूसरी ओर इन दिनों रूद्रप्रयाग के जखोली विकासखंड के ग्राम पंचायत कुन्याली में गुलदार की दहशत से ग्रामीण सहमें हुए हैं। गुलदार के आतंक का इतना खौफ है कि ग्रामीण शाम होते ही घरों में दुबकने के लिए मजबूर हैं और साथ ही कई बच्चों ने विद्यालय जाना छोड़ दिया है।

बीते एक सप्ताह के भीतर गुलदार ने यहां एक खच्चर सहित आधा दर्जन से अधिक पशुओं को निवाला बना लिया है। अब ग्रामीणों का कहना है कि अगर यहां जनहानि हुई तो इसका जिम्मेदार वन विभाग होगा। यह तो सिर्फ दो उदाहरण है यहां राज्य की राजधानी देहरादून सहित तकरीबन सभी जिलों में इन दिनों गुलदार की दहशत बनी हुई है। जबकि वह विभाग मामले में मूकदर्शक बना हुआ है वह कोई इसका स्थायी सामाधान निकालने को तैयार नहीं है।

एक नजर

आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किये

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलकारी संयुक्त परिषद ने मसूरी झूला घर जाकर राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धसुमन अर्पित किये।

आज उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के कार्यकर्ताओं ने 2 सितंबर 1994 को मसूरी में राज्य प्राप्ति के लिए शहीद हुए शहीदों को मसूरी झूला घर में जाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस मौके पर राज्य आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार व संरक्षक नवनीत गोसाई नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने कहा कि अगर राज्य सरकार आंदोलनकारी के लिए समर्पित है तो धारा 371 सशक्त भू कानून और 1950 की मूल निवास को लागू करना यही सच्ची श्रद्धांजलि आंदोलनकारी के प्रति होगी। परिषद के कार्यकर्ताओं ने मसूरी के बाद देहरादून शहीद स्मारक में में भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में संयुक्त परिषद के संरक्षक नवनीत गोसाई जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, विपुल नौटियाल, अनुराग भट्ट, प्रवीण गोसाई, पूरन सिंह लिंगवाल, मोहन खत्री, प्रभात डंडरियाल, देवेश्वरी देवी आदि शामिल रहे।

एलआईसी कर्मचारी बन ठगे 79 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। एलआईसी कर्मचारी बन 79 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालतप्पड माजरी चौक डोईवाला निवासी नवल सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 22 जुलाई को उसको एक काल आया और कहा कि वह दिल्ली से एलआईसी से बोल रहा है तुम्हारे दोस्त योगेश का एलआईसी का 55 हजार रूपये आये है योगेश ने तुम्हें गारेन्टर बना रखा है इस लिए वह उसके एकाउंट में 55 हजार रूपये भेज रहा है उन्होने उसके एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड की डिटेल मांगी जो उसने दे दी फिर ओटीपी आया उसने उन्हे बता दिया इसके बाद उसके क्रेडिट कार्ड से 2 अगस्त से चार अगस्त तक कुल 79804 रूपये कट गये जब उसने इस एलआईसी कर्मचारी का पता किया तो पता चला कि यह किसी एलआईसी कर्मचारी का नही है यह साईबर ठग है जो सब को ठगता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भ्रष्टाचार के आरोपी रामविलास यादव को मिली 20 दिन की जमानत

विशेष संवाददाता

देहरादून। भ्रष्टाचार के आरोपी पूर्व आईएएस अधिकारी रामविलास यादव को आज मेडिकल ग्राउंड पर 3 हफ्तों की जमानत मिल गई है। उनके वकील द्वारा हाईकोर्ट में अर्जी देकर कहा गया था कि जेल में बंद रामविलास यादव का स्वास्थ्य खराब चल रहा है उन्हें इलाज के लिए गंगा राम अस्पताल या एम्स दिल्ली जाना है इसलिए उन्हें एक माह की शॉर्ट टाइम जमानत दी जाए। नैनीताल हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आलोक कुमार की अदालत ने उन्हें तीन हफ्ते (20 दिन) की जमानत देने के आदेश दिए है। जमानत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें 21 सितंबर को फिर अदालत के समक्ष पेश होने को कहा गया है।

उल्लेखनीय है कि आय से अधिक संपत्ति अर्जित किए जाने को लेकर रामविलास यादव को पिछले साल उनके रिटायरमेंट से कुछ दिन पूर्व ही विजिलेंस ने गिरफ्तार किया था तभी से वह जेल में है। उन पर आय से 500 गुना अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। आरोप है कि उन्होंने गिरफ्तारी से पूर्व के 3 सालों में अकूत संपत्ति अर्जित की थी। ईडी ने इसका संज्ञान लेते हुए उनकी संपत्तियों का ब्यौरा खंगाला था तथा उनकी 20 करोड़ से अधिक संपत्तियों को अटैच किया गया था और उन पर शिकंजा करते हुए मनी लॉन्ड्रिंग का भी केस दर्ज कराया गया था। जेल में बंद रामविलास यादव द्वारा अपने परिजनों के नाम भी बड़ी संख्या में परिसंपत्तियां बनाई गई है। विजिलेंस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से वह अभी तक जेल में बंद है।

राज्य निर्माण में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है:धामी

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण में हमारी मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। राज्य आन्दोलनकारियों के सपनों को पूरा करने के लिए हम सबको प्रदेश के विकास में मिलकर योगदान देना होगा।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मसूरी में शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद राज्य आन्दोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मसूरी में शहीद राज्य आन्दोलनकारियों के परिवारजनों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आन्दोनकारियों ने जिस उद्देश्य से अलग राज्य की मांग की थी, उसके अनुरूप ही राज्य को आगे बढ़ाने के लिए सरकार निरन्तर कार्य कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मसूरी शहीद स्थल पर शेड का निर्माण किया जायेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य आन्दोलनकारियों के चिन्हित प्रमाण पत्र बनाने के लिए 06 माह का अतिरिक्त समय दिया गया था। बहुत जिलों में इस पर कार्य हुआ। इसके लिए ऐसी व्यवस्था की गई है कि इसका दुबारा आंकलन कर व्यवस्था को आगे बढ़ाया जाय। जनपद देहरादून में चिन्हित सभी 4164 राज्य आन्दोलनकारियों को पहचान पत्र निर्गत किये गये है। राज्य आन्दोलनकारियों को उत्तराखण्ड परिवहन निगम की बसों में नि:शुल्क परिवहन सुविधा प्रदान किये जाने की व्यवस्था की गयी है। राज्य आन्दोलनकारियों के अधिकतम दो बच्चों को राजकीय विद्यालयों और महाविद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा सुविधा प्रदान की गयी है। उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारियों के आश्रितों को पेंशन सुविधा प्रदान की गई है। राज्य आन्दोलन के दौरान 172 घायल राज्य आन्दोलनकारियों को 06 हजार रूपये प्रतिमाह तथा 2414 सक्रिय राज्य आन्दोलनकारियों को 4500 रूपये प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जा रही है। 06 घायल एवं 26 सक्रिय राज्य आन्दोलनकारियों के आश्रितों को भी प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 02 सितम्बर 1994 में मसूरी गोलीकांड की घटना हमेशा हमारे स्मरण में रहेगी। पुलिस की तानाशाही एवं हटधर्मिता को सबने देखा, जो उस समय की सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से करवाया। इस गोलीकाण्ड में हमारे 06 आन्दोलनकारी शहीद हो गये और दर्जनों घायल हो गये। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण में हमारी मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। राज्य आन्दोलनकारियों के सपनों को पूरा करने के लिए हम सबको प्रदेश के विकास में मिलकर योगदान देना होगा। इस अवसर पर केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट, पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला, मसूरी नगर पालिका परिषद् के अध्यक्ष अनुज गुप्ता, मसूरी नगर पालिका परिषद् के पूर्व अध्यक्ष मन्नू मल, सिद्धार्थ अग्रवाल, मोहन पेटवाल आदि मौजूद थे।

शहीदों का बलिदान सदैव याद किया जाता रहेगा: माहरा

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा ने मसूरी गोलीकाण्ड की बरसी पर आंदोलनकारियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि राज्य निर्माण आंदोलन में हुए शहीदों के बलिदान को सदैव याद किया जाता रहेगा।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने मसूरी गोलीकाण्ड की बरसी पर उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन मे शहीद हुए आन्दोलनकारियों को श्रद्धा पूर्वक याद करते हुए उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। माहरा ने कहा कि आज मसूरी गोलीकाण्ड की बरसी पर हम उन सभी शहीदों को शत-शत् नमन करते हैं जिन्होंने राज्य निर्माण आन्दोलन में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि अलग उत्तराखण्ड राज्य निर्माण का सपना आन्दोलन के शहीदों की शहादत के कारण साकार हो पाया। उत्तराखण्ड राज्य शहीद आन्दोलकारियों की धरोहर है जिन्होंने राज्य निर्माण के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन में मातृ शक्ति, छात्र शक्ति, युवा शक्ति ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जिसे उत्तराखण्ड के इतिहास में सदैव याद किया जाता रहेगा। मथुरादत्त जोशी, विजय सारस्वत, पूरन सिंह रावत, नवीन जोशी, पी.के. अग्रवाल, याकूब सिद्धिकी, प्रवक्ता गरिमा दसौनी, डा. प्रेम बहुखण्डी, अमरजीत सिंह, राजेश चमोली, शांति रावत, सोशल मीडिया अध्यक्ष विकास नेगी, विशाल मौर्य, अनुराधा तिवाडी, अनुराग मित्तल ने भी मसूरी गोलीकाण्ड के शहीदों को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किये।

सैक्स रैकेट का भंडाफोड़, महिला सहित पांच गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सैक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए देर रात स्पेशल आप्रेशन टीम व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल द्वारा एक होटल में छापेमारी कर एक महिला सहित पांच लोगों को पकड़ा गया है। हांलांकि इस दौरान होटल मालिक फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश की जा रही है। पकड़े गये लोगों में एक महिला, उसका ग्राहक, दलाल व होटल के दो स्टाफ शामिल है।

स्पेशल आप्रेशन सीओ नितिन लोहानी ने बताया कि बीते रोज हल्द्वानी के कई होटलों में चैकिंग की जा रही थी। इस दौरान जब उनकी टीम ने रामपुर रोड स्थित गायत्री होटल में चैकिंग की गयी तो उस दौरान वहां एक कमरे में एक महिला, व उसका ग्राहक मिले। मौके पर ही महिला के दलाल सहित दो होटल स्टाफ को भी हिरासत में ले लिया गया। जिनके पास से कई आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई। जिनके खिलाफ कोतवाली हल्द्वानी में मुकदमा दर्ज किया गया है। हालांकि इस दौरान होटल मालिक फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश की जा रही है। जबकि टीम द्वारा उक्त होटल को सीज कर दिया गया है। गिरफ्तार होने वालों में चंदन सिंह डसीला निवासी गौलापार काठगोदाम, अमर बाबू निवासी बरेली उत्तर प्रदेश, नारायण राम निवासी चंपावत (होटल मैनेजर) गिरीश चंद निवासी अल्मोड़ा (होटल मैनेजर) व एक महिला शामिल है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।